# नोएडा में स्थापित होगा कचरे से बिजली बनाने का प्लांट

अमर उजाला ब्यूरो

## ग्रीन कोल प्रोजेक्ट से यूपी को आत्मनिर्भर बनाएगी प्रदेश सरकार

लखनऊ। ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ग्रीन कोल प्रोजेक्ट की दिशा में प्रदेश सरकार ने कवायद तेज कर दी है। इसके तहत नोएडा में कचरे से बिजली बनाने का प्लांट लगाया जाएगा। यह प्रतिदिन 900 टीपीडी क्षमता का होगा।

इस प्रोजेक्ट से प्रतिदिन 200 टन ग्रीन कोल और 1000 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। वेस्ट टू एनर्जी के क्षेत्र में अग्रणी मैकॉबर बीके प्राइवेट लिमिटेड (एमबीएल) का यह प्रोजेक्ट देश का सबसे बड़ा ग्रीन कोल प्रोजेक्ट है। एनटीपीसी ने नगर निगम के कचरे से टॉरिफाइड चारकोल बनाने की योजना बनाई थी। फिर, इसकी सहायक कंपनी एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड ने मैकॉबर बीके को ईपीसी आधार पर परियोजना दी गई है।

मैकॉबर बीके के ज्वॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर गौतम गुप्ता ने बताया कि यह परियोजना मेक इन इंडिया पहल का एक प्रमुख उदाहरण है। कंपनी ने नगर पालिका के ठोस कचरे को पर्यावरण-अनुकूल ग्रीन कोल में बदलने के लिए एक अग्रणी समाधान विकसित किया है। स्वदेशी रूप से विकसित तकनीक कचरे को जीवाश्म ईंधन के व्यवहार विकल्प में बदल देती है, इससे अपशिष्ट से संबंधित चुनौतियों का समाधान करते हुए ऊर्जा उत्पादन में एक नई क्रांति आई है।

कंपनी के सीनियर जनरल मैनेजर प्रोजेक्ट्स बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि इससे पर्यावरण संरक्षण, कार्बन न्यूट्रॅलिटी और आर्थिक लाभ होगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि जीवाश्म कोयले के स्थान पर ठोस ईंधन के रूप में एक किलोग्राम ग्रीन कोयले के प्रयोग से लगभग दो किलोग्राम कार्बन डाई आक्साइड का बनना कम हो जाएगा।